IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 2, Issue 1, October 2022
Impact Factor: 6.252

वर्तमान परिवेश में आत्मनिर्भर भारत अभियान – एक मूल्यांकन

डॉ ब्रजेश श्रीवास्तव

असिस्टेंट प्रोफेसर – अर्थशास्त्र

राजकीय महाविद्यालय, मानिकपुर चित्रकूट

शोध सारांश

आत्मनिर्भरता का अर्थ है अपने आप को पूर्ण करने की क्षमता और निर्भरता पर प्रतिबंध नहीं। यह व्यक्ति के जीवन में आत्म-निर्भर बनने की भावना का मूल है, जो हमारे समाज और देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आत्मनिर्भरता से हमें कोई भी प्रेरणा मिलती है और हम भी परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं। भारत सरकार ने "आत्मनिर्भर भारत" अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना और स्थानीय कंपनियों को बढ़ावा देना है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और हमारी कंपनियों पर विज्ञापन कम होते जा रहे हैं। व्यक्तिगत स्तर पर आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें शिक्षा, कौशल विकास और परिश्रम पर ध्यान देना चाहिए। जब हम अपनी ताकत पर भरोसा करते हैं, तो हम नए अवसरों को पहचानते हैं और जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार, आत्मनिर्भरता के लिए केवल व्यक्तिगत विकास की आवश्यकता है बल्कि यह देश के विकास की भी कुंजी है। हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए ताकि वह समाज में अपना योगदान दे सके।

मुख्य शब्द – आत्मनिर्भरता , विकास , स्वदेशी ,रोजगार